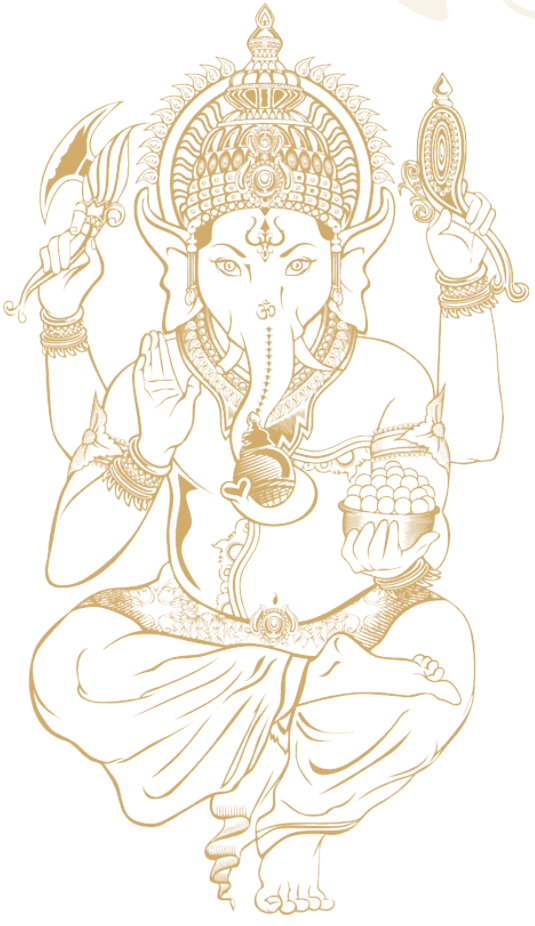

Mr.Deepak Kumar Pathak

27 Nov 1989

06:15 AM

Balal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121300504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/11/1989**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:15:00 घंटे**
इष्ट	58:15:50 घटी
स्थान	**Balal**
देश	Nepal

अक्षांश	28:52:00 उत्तर
रेखांश	80:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:50:16 घंटे
वेलान्तर	00:12:44 घंटे
साम्पातिक काल	10:13:54 घंटे
सूर्योदय	06:56:40 घंटे
सूर्यास्त	17:27:19 घंटे
दिनमान	10:30:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:01:11 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:10:23 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:10:23	306:24:55	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	11:01:11	01:00:45	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	25:46:02	11:58:24	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	21:41:16	00:40:58	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	20:05:56	01:32:35	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	15:46:59	00:05:30	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	26:37:11	00:50:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			धनु	17:57:11	00:06:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
राहु	व		मक	26:01:03	00:13:59	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	26:01:03	00:13:59	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	09:59:24	00:03:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप			धनु	17:02:51	00:01:55	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	22:10:14	00:02:20	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	07:44:04	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:07

लग्न-चलित

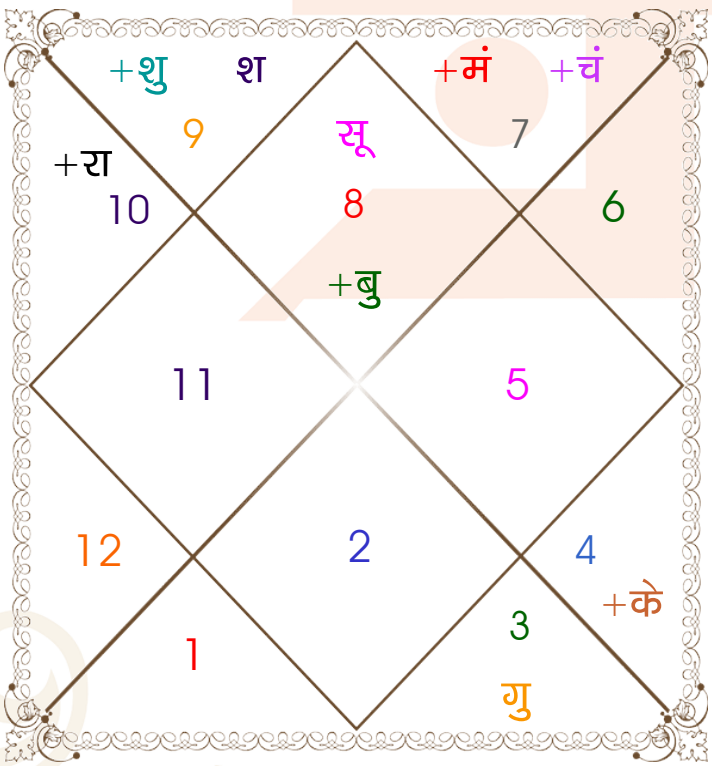

चन्द्र कुंडली

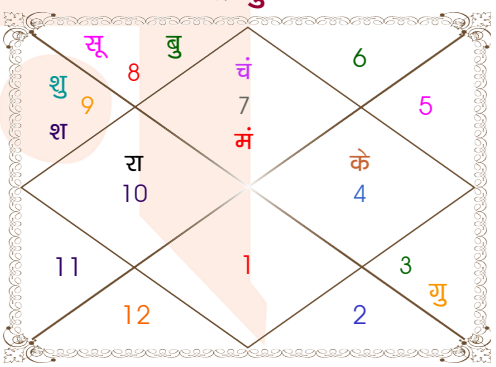

नवमांश कुंडली

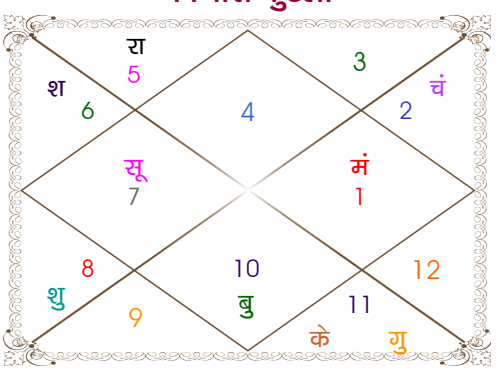

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 0 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/11/1989		26/12/1998		26/12/2017		26/12/2034		26/12/2041	
26/12/1998		26/12/2017		26/12/2034		26/12/2041		26/12/2061	
	00/00/0000	शनि	29/12/2001	बुध	23/05/2020	केतु	24/05/2035	शुक्र	26/04/2045
	27/11/1989	बुध	07/09/2004	केतु	21/05/2021	शुक्र	23/07/2036	सूर्य	27/04/2046
बुध	01/12/1989	केतु	17/10/2005	शुक्र	21/03/2024	सूर्य	28/11/2036	चंद्र	26/12/2047
केतु	07/11/1990	शुक्र	16/12/2008	सूर्य	25/01/2025	चंद्र	29/06/2037	मंगल	24/02/2049
शुक्र	08/07/1993	सूर्य	28/11/2009	चंद्र	26/06/2026	मंगल	25/11/2037	राहु	25/02/2052
सूर्य	27/04/1994	चंद्र	30/06/2011	मंगल	24/06/2027	राहु	14/12/2038	गुरु	26/10/2054
चंद्र	27/08/1995	मंगल	08/08/2012	राहु	10/01/2030	गुरु	20/11/2039	शनि	26/12/2057
मंगल	01/08/1996	राहु	14/06/2015	गुरु	17/04/2032	शनि	29/12/2040	बुध	26/10/2060
राहु	26/12/1998	गुरु	26/12/2017	शनि	26/12/2034	बुध	26/12/2041	केतु	26/12/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/12/2061		26/12/2067		26/12/2077		26/12/2084		27/12/2102	
26/12/2067		26/12/2077		26/12/2084		27/12/2102		00/00/0000	
सूर्य	14/04/2062	चंद्र	26/10/2068	मंगल	24/05/2078	राहु	08/09/2087	गुरु	13/02/2105
चंद्र	14/10/2062	मंगल	27/05/2069	राहु	11/06/2079	गुरु	31/01/2090	शनि	28/08/2107
मंगल	19/02/2063	राहु	26/11/2070	गुरु	17/05/2080	शनि	07/12/2092	बुध	28/11/2109
राहु	14/01/2064	गुरु	27/03/2072	शनि	26/06/2081	बुध	27/06/2095		00/00/0000
गुरु	01/11/2064	शनि	26/10/2073	बुध	23/06/2082	केतु	14/07/2096		00/00/0000
शनि	14/10/2065	बुध	27/03/2075	केतु	20/11/2082	शुक्र	15/07/2099		00/00/0000
बुध	20/08/2066	केतु	26/10/2075	शुक्र	20/01/2084	सूर्य	09/06/2100		00/00/0000
केतु	26/12/2066	शुक्र	26/06/2077	सूर्य	26/05/2084	चंद्र	09/12/2101		00/00/0000
शुक्र	26/12/2067	सूर्य	26/12/2077	चंद्र	26/12/2084	मंगल	27/12/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 0 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।